Degree-1st. Subsidiary

सामाजिक परिस्थितिकी (Ecology) के आधार पर परिवार के प्रकार (Type of Family based on Social Ecology)

समूहों की सामाजिक परिस्थितिकी (Social ecology) के आधार पर भी यहाँ परिवार के स्वरूप में काफी अन्तर देखने को मिलता है। सामाजिक परिस्थितिकी अथवा समुदाय की रचना के आधार पर सभी परिवार को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है — ग्रामीण परिवार तथा नगरीय परिवार।

(1) ग्रामीण परिवार (Rural Family)—

ग्रामीण परिवार संयुक्त परिवार के काफी निकट है साथ ही सांस्कृतिक विशेषताओं की भिन्नता के कारण उन्हें संयुक्त परिवार के बिल्कुल समान नहीं कहा जा सकता। संसार की जनसंख्या के एक बड़े प्रतिशत का निवास ग्रामों में होने के कारण, इन परिवारों के स्वरूप की अवहेलना नहीं की जा सकती। ग्रामीण परिवारों में सजातीयता का बड़ा महत्व है। इनकी अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित होती है तथा सदस्यों में प्राथमिक सम्बन्धों की प्रधानता पायी जाती है। ये परिवार सदस्यों पर कठोर सामाजिक और नैतिक अनुशासन रखने के पक्ष में होते हैं तथा कर्ता परिवार का प्रभुतासम्पन्न व्यक्ति होता है। परम्पराओं और धर्म को ग्रामीण परिवारों की आत्मा कहा जा सकता है, इसलिए इनकी प्रकृति रूढ़िवादी तथा रूढ़िगत होती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों में

Created By Sign Doc

वंश परम्परा तथा सहभागिता का विशेष स्थान है।

(2.) नगरीय परिवार (Urban Family)- औद्योगीकरण तथा नगरीकरण में वृद्धि होने के साथ ही नगरीय परिवारों की संख्या में आज तेजी से वृद्धि होती जा रही है। ये परिवार वे हैं जो नगरों में स्थित है तथा सदस्यों के बीच अधिक स्वतन्त्र, समाजवादी तथा हित-प्रधान सम्बन्धों की प्रधानता होती है। नगरीय परिवार आकार में छोटे होते हैं तथा इनमें सामाजिक और सांस्कृतिक गतिशीलता अधिक पायी जाती है। इनमें कर्ता का सर्वाधिकार सम्पन्न व्यक्ति नहीं समझा जाता और न ही परिवार की स्थिति के निर्धारण में आयु का विशेष महत्व होता है।

Created By Sign Doc